प्रकाशन तिथि : 01 मई, 2025
प्रेषण तिथि : 04 मई, 2025

'डाक पंजियन सं. जयपुर सिटी/247/2024-2026
स.प.सं. 66332/97

पथ-प्रेरक

पाक्षिक

वर्ष 29 | अंक 04 | कुल पृष्ठ: 8 | एक प्रति: रुपए 7.00 | वार्षिक : रुपए 150/-

(विभिन्न स्थानों पर समारोह पूर्वक मनाई राणा सांगा की जयंती)

प्रेमभाव की स्थापना से रुकेगा अधःपतन: संरक्षक श्री

राणा सांगा आततायी का सामना करने के लिए खानवा तक अवश्य गए, लेकिन उन्होंने किसी पर आक्रमण नहीं किया। हम कभी भी ट्रेसपासर नहीं रहे। यह हमारी संस्कृति नहीं रही। हमने कभी भी एक-दूसरे पर आक्रमण नहीं किया। लेकिन पिछले 300-400 वर्षों में जब से हम एक- दूसरे पर आक्रमण करने लगे हैं तब से हमारा अधःपतन शुरू हो गया। यह अधःपतन कैसे रुक सकता है, इस पर विचार करने की आवश्यकता है। इसके लिए आवश्यकता है प्रेमभाव की। जहां प्रेम होता है, वहां युद्ध नहीं होता। जहां प्रेम होता है, वहां देवताओं का निवास होता है। जब समाज में, राष्ट्र में प्रेम का अभाव हो जाता है तब संकट उपस्थित होता है। प्रेम का अभाव राष्ट्रीय संकट है, मानव जाति का संकट है। उपर्युक्त बात श्री क्षत्रिय युवक संघ के संरक्षक माननीय श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर ने 12 अप्रैल को जयपुर स्थित संघशक्ति भवन में आयोजित महाराणा सांगा जयंती कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि बलवान को कोई नहीं सताता, लेकिन कमजोर को हर कोई सताता है। हमारे भीतर पहले जैसी ताकत और क्षमताएं आज नहीं रही। वो कैसे आ सकती है? वो व्यक्तिगत प्रयत्नों से नहीं आ सकती, वह क्षमता सामूहिक प्रयत्न से ही आएगी। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

अपने हृदय के दीपक से हजारों दीपक जलाएं: संघप्रमुख श्री

(उदयपुर में माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर संपन्न)

इस शिविर में आपने पांच दिन तक जो तपस्या की है उसके फलस्वरूप आपमें जिस तेज का उदय हुआ है, वह किसी और के देखने की बात नहीं है बल्कि स्वयं आपके अनुभव करने का विषय है। यहां की साधना से आपके हृदय में जो दीपक जला है उससे आपको हजारों दीपक और जलाने हैं। लेकिन यहां से बाहर जाने पर आपको जिस प्रकार का विषमय वातावरण मिलेगा उसमें आपका सबसे पहला दायित्व अपने हृदय में जले दीपक की रक्षा करने का है। उपर्युक्त बात उदयपुर स्थित बी एन परिसर में स्थित प्रताप हाउस में आयोजित श्री क्षत्रिय युवक संघ के माध्यमिक प्रशिक्षण शिविर में माननीय संघ प्रमुख श्री लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कही। उन्होंने कहा कि यहां की चर्चाओं में, प्रवचनों में आपने सुना कि जब जब भी कहीं पर अच्छाई का जन्म होता है तो उसके पीछे बुराइयां भी दौड़ने लगती हैं। इसलिए उस अच्छाई की रक्षा करना बहुत कठिन हो जाता है। यह केवल संकल्प की शक्ति से ही संभव है। इसलिए अपने उस संकल्प को जगाए रखें जो यहां आपके भीतर जगा है। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

सामाजिक चेतना का जीवंत स्वरूप है हमारी एकता: रूडी

(विभिन्न स्थानों पर समारोह पूर्वक मनाई वीर कुंवर सिंह की जयंती)

बाबू वीर कुंवर सिंह को नमन करने के लिए आज यहां उपस्थित यह विशाल जनसमूह मात्र भीड़ नहीं है बल्कि हमारी यह एकता सामाजिक चेतना का जीवंत स्वरूप है। यह केवल सभा नहीं बल्कि एक उद्घोष है जो समाज की गरिमा और सम्मान की पुनर्स्थापना के लिए हमारी एकजुटता का प्रतीक है। इस एकता को हमें बनाए रखना है और समाज को सशक्त करने के लिए मिलकर कार्य करना है। उपर्युक्त बात पटना में स्थित बापू सभागार में 23 अप्रैल को आयोजित वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सारण सांसद राजीव प्रताप रूडी ने कही। उन्होंने कहा कि वीर बाबू कुंवर सिंह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महान नायकों में से हैं। उनकी वीरता और बलिदान को पूरा देश आज नमन कर रहा है। राष्ट्र के लिए बलिदान देने वाले ऐसे वीरों के प्रति हमारी कृतज्ञता प्रकट करने का सर्वश्रेष्ठ तरीका यही है कि हम भी उन्हीं की भांति अपने कर्तव्य का पालन करते हुए देश को सबल और सुरक्षित बनाने में योगदान दें। उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए कहा कि भारत की धरती पर कायरता का कोई स्थान नहीं है। ऐसे दुष्कृत्य करने वालों को और उनका समर्थन करने वालों को कड़ा दंड मिलना चाहिए। आयोजन समिति के संरक्षक पद्मश्री डॉ आर एन सिंह एवं संयोजक ब्रजेश सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में बिहार सरकार के मंत्री सुमित सिंह, नीरज कुमार सिंह, विधायक श्रेयसी सिंह, भाजपा नेता संजय सिंह टाइगर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। 23 अप्रैल को 1857 की क्रांति के नायक बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर उनके प्रति देशवासियों द्वारा श्रद्धा व कृतज्ञता प्रकट की गई। बिहार सरकार की ओर से महान स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती को शौर्य दिवस के रूप में मनाया गया। इस उपलक्ष्य में 23 अप्रैल को पटना में एयर शो का आयोजन हुआ जिसमें भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक्स टीम के नौ हॉक-132 जेट विमानों ने पटना के आकाश में लहरदार फॉर्मेशन, लूप्स और डाइव्स का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, मंत्री अशोक चौधरी, विजय चौधरी समेत हजारों की संख्या में लोग पटना के सभ्यता द्वार के सामने उपस्थित रहे। **(शेष पृष्ठ 7 पर)**

प्राप्त ज्ञान पर करें चिंतन, मनन व निदिध्यासन: भादला

(चित्तौड़गढ़ में दंपती शिविर का आयोजन, 105 जोड़ों ने लिया प्रशिक्षण)

उत्पत्ति, स्थिति और लय की निरंतरता का नाम ही सृष्टि है। हमारा यह तीन दिन का शिविर भी एक छोटी सृष्टि का ही स्वरूप था। जिस प्रकार ब्रह्मा के संकल्प से सृष्टि की उत्पत्ति होती है, उसी प्रकार संघ के संकल्प से तीन दिन पहले इस शिविर का प्रारंभ हुआ अर्थात उत्पत्ति हुई। तीन दिन तक शिविर चलता रहा अर्थात स्थिति बनी रही और आज लय अर्थात विदाई का अवसर आ गया है। लेकिन विदाई का अर्थ यह नहीं है कि यहां की सारी बातों को यहीं छोड़कर जाना है। यहां जो कुछ आपको बताया गया है, अब आपको उस पर चिंतन-मनन करना है और फिर उस चिंतन से निकलने वाले सार तत्व पर निदिध्यासन अर्थात आचरण करना है। उपर्युक्त बात वरिष्ठ स्वयंसेवक जोरावर सिंह भादला ने चित्तौड़गढ़ में आयोजित दंपती शिविर में 14 अप्रैल को शिविरार्थियों को विदाई देते हुए कही। उन्होंने कहा कि यहां से हम समाज रूपी कार्यक्षेत्र में जा रहे हैं वहां हमें संघ की बात सुनानी है, क्योंकि हम पर लोक संग्रह का दायित्व है। संघ की बात को हमने आत्मसात किया है इसलिए हम संघमय हो गए हैं। संघ का उद्देश्य ही हमारा उद्देश्य बन गया है। इस एकत्व को बनाए रखेंगे तो लोक संग्रह के कार्य में आपको सफलता अवश्य मिलेगी। 12 से 14 अप्रैल तक चित्तौड़गढ़ में किला रोड स्थित श्री सांवलिया जी विश्रांति गृह में आयोजित शिविर में शिविरार्थियों को प्रतिदिन दो सत्रों में चित्तौड़ दुर्ग का भ्रमण भी करवाया गया। 12 अप्रैल को प्रातः कालीन सत्र में कुंभश्याम मंदिर, मीरा मंदिर, सतबीस देवरी, भीमेश्वर मंदिर, भीमगोड़ी, प्राचीन हनुमान जी का मंदिर, मुनि मंदिर, फतेह प्रकाश महल का भ्रमण किया। सायंकालीन सत्र में राणा रतन सिंह महल, बायण माता मंदिर, चारभुजा जी मंदिर के दर्शन किए एवं कुंभा महल में आयोजित 'लाइट एंड साउंड शो' का अवलोकन किया। 13 अप्रैल को प्रातः कालीन सत्र में भामाशाह हवेली, पातालेश्वर मंदिर, तोपखाना, श्रृंगार चौरी, विजय स्तंभ, जौहर स्थल, कुम्भा महल, गौमुख कुंड आदि स्थानों का भ्रमण किया। सायंकालीन सत्र में महारानी पद्मिनी के महल, श्री कालिका माताजी मंदिर, राव जयमल जी की हवेली, राव पत्ता जी की हवेली आदि स्थानों के दर्शन किए। 13 अप्रैल को शिविरार्थियों द्वारा गांधीनगर स्थित जौहर भवन जाकर जौहर ज्योति मंदिर में सतियों को नमन भी किया गया। महिला उपाध्यक्षा निर्मला कंवर ऊलपुरा ने सभी का जौहर भवन में स्वागत किया। 14 अप्रैल को सूरजपोल, महालक्ष्मी मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर, जैन कीर्ति स्तंभ आदि का भ्रमण किया। चित्तौड़गढ़ गाइड संघ के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह चौथपुरा ने तीनों दिन साथ रहकर सभी स्थलों की ऐतिहासिक जानकारी शिविरार्थियों को प्रदान की। शिविर में विभिन्न बौद्धिक सत्रों में दंपतियों को विवाह संस्कार एवं दांपत्य जीवन के बारे में विस्तार से समझाया गया और बताया गया कि गृहस्थ जीवन केवल भोग के लिए ही नहीं है अपितु शास्त्र विहित सद्कर्म करते हुए सर्वसुखाय-सर्वहितार्थ जीवन जीने की कला ही गृहस्थ धर्म है। विदाई कार्यक्रम के समय 'राष्ट्रीय गौरव दुर्गराज चित्तौड़गढ़' पुस्तक के संपादक वीरेंद्र सिंह तलावदा ने पुस्तक की रचना के लिए किए गए शोध के बारे में जानकारी दी। उक्त पुस्तक की प्रतियां भी इच्छुक संभागियों को उपलब्ध कराई गई। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली एवं मेवाड़ मालवा संभाग प्रमुख बृजराज सिंह खारडा ने स्थानीय समाजबंधुओ के सहयोग से व्यवस्था का दायित्व संभाला। शिविर में राजस्थान, गुजरात व हरियाणा के विभिन्न स्थानों से 105 दंपतियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चिकित्सा मंत्री पहुंचे संघशक्ति

राजस्थान सरकार में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री श्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने 17 अप्रैल को श्री क्षत्रिय युवक संघ के केंद्रीय कार्यालय संघशक्ति पहुंचकर माननीय संरक्षक श्री भगवान सिंह जी रोलसाहबसर से भेंट की एवं विभिन्न विषयों पर चर्चा की। श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक माननीय महावीर सिंह जी सरवड़ी भी इस दौरान उपस्थित रहे।

जालसू कला में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन

नागौर जिले के डेगाना उपखंड के जालसू कला गांव में स्थित नागणेच्या माता मंदिर में पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव 25 अप्रैल को संपन्न हुआ। इस महोत्सव के दौरान मंदिर में भगवान शिव, जमवाय माता और आशापुरा माता की मूर्तियों की प्रतिष्ठा की गई। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने समापन समारोह के अध्यक्षता करते हुए कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन सनातन धर्म के प्रति जागरूकता को बढ़ाने का कार्य करते हैं। राजस्थान विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि मीरा बाई, अमर सिंह जी एवं कल्ला राठौड़ जी की पुण्य भूमि हमें सिखाती है कि धर्म केवल पूजा ही नहीं, अपितु कर्तव्य भी है। डेगाना विधायक अजय सिंह किलक भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। इस दौरान जालसूं कला में उप स्वास्थ्य केन्द्र में प्रसव कक्ष और राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के भवन का लोकार्पण भी किया गया। मंदिर निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाहों को सम्मानित भी किया गया।

रानीवाड़ा में स्नेहमिलन आयोजित

रानीवाड़ा प्रांत का स्नेह मिलन जाखड़ी गांव में 27 अप्रैल को आयोजित हुआ। कार्यक्रम में आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों पर चर्चा की गई एवं अगले माह प्रांत की प्रत्येक शाखा में अधिकतम संख्या दिवस मनाने की योजना बनाई गई। प्रांत प्रमुख प्रवीण सिंह सुरावा ने प्रांत में संघ कार्य की प्रगति की जानकारी दी। जालोर संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। रानीवाड़ा प्रांत के मेड़क कल्ला गांव में स्थित राजपूत कोटडी में भी बालिका शाखा का स्नेहमिलन 27 अप्रैल को रखा गया जिसमें धामसीन व मेड़क शाखा की स्वयंसेविकाएं शामिल हुईं। संभाग प्रमुख अर्जुन सिंह देलदरी

और वरिष्ठ स्वयंसेवक नाहर सिंह जाखड़ी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

संजय परिहार और अनिल कुमार सिंह बने उच्च न्यायालय में न्यायाधीश

जम्मू कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के पालमार गांव के मूल निवासी संजय परिहार को जम्मू कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाले सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 16 अप्रैल को हुई बैठक में संजय परिहार को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वर्तमान में प्रतिनियुक्ति के आधार पर जम्मू-कश्मीर विशेष न्यायाधिकरण, जम्मू के सदस्य का पद संभाल रहे परिहार ने 1 दिसंबर, 1997 को अपना न्यायिक करियर शुरू किया। उन्होंने विभिन्न जिलों में प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सहित कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया, साथ ही वे टाडा और पोटा कोर्ट, भ्रष्टाचार निरोधक कोर्ट जम्मू, एमएसीटी जम्मू, विशेष न्यायाधिकरण, बिक्री कर न्यायाधिकरण और जम्मू विंग में उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार (न्यायिक) के पीठासीन अधिकारी भी रहे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में रजिस्ट्रार के रूप में भी काम किया है। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर के निवासी अनिल कुमार सिंह पुत्र शाहजवाल सिंह को इलाहाबाद उच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। 18 अप्रैल को मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अनिल कुमार सिंह व उनके साथ पांच अन्य न्यायाधीशों को शपथ ग्रहण करवाई। अनिल कुमार सिंह 2008 बैच के उत्तरप्रदेश उच्चतर न्यायिक सेवा के न्यायाधीश हैं। इससे पूर्व वे गाजियाबाद के जिला न्यायाधीश का दायित्व भी संभाल चुके हैं।

दूसरी बार राजपूत सभा जयपुर के अध्यक्ष बने रामसिंह चंदलाई

श्री राजपूत सभा जयपुर के त्रैवार्षिक चुनाव 13 अप्रैल को श्री राजपूत सभा छात्रावास जगतपुरा में आयोजित हुए। वर्ष 2025 से वर्ष 2028 के लिए हुए इन चुनावों की मतगणना 14 अप्रैल को हुई जिसमें राम सिंह चंदलाई पैनल की विजय हुई और चंदलाई को लगातार दूसरी बार श्री राजपूत सभा जयपुर का अध्यक्ष चुना गया। प्रताप सिंह राणावत को उपसभापति, धीर सिंह शेखावत को महामंत्री, अजय पाल सिंह पचकोडिया को संगठन मंत्री, पृथ्वी सिंह काली पहाड़ी को सहमंत्री एवं प्रद्युम्न सिंह मूंडरू को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त 15 कार्यकारिणी सदस्यों का भी निर्वाचन किया गया। सेवानिवृत्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश चंद्र प्रकाश सिंह चौहान ने चुनाव अधिकारी का दायित्व निभाया।

प्रोफेसर मदन सिंह बने जेएनवीयू सिंडिकेट के सदस्य

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के फाइन आर्ट्स विभाग के प्रोफेसर मदन सिंह राठौड़ को राज्य सरकार द्वारा जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय के सिंडिकेट में प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति 3 वर्ष के लिए की गई है। मदन सिंह बाड़मेर जिले के जागसा गांव के मूल निवासी हैं।

गजेन्द्र सिंह खरोड़िया बने आसपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष

डूंगरपुर जिले के खरोड़िया गांव निवासी गजेंद्र सिंह को आसपुर ब्लॉक कांग्रेस समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव ललित तूनवाल ने 25 अप्रैल को उनके नियुक्ति आदेश जारी किए।

राजलदेसर (चूरू) में प्रांतीय बैठक

13 अप्रैल को शेखावाटी संभाग के चूरू प्रांत के राजलदेसर में प्रांतीय बैठक रखी गई जिसमें आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर हेतु प्रांत के पात्र स्वयंसेवकों से संपर्क करने, प्रान्त में आयोजित विभिन्न सांघिक गतिविधियों व प्रान्त में चल रही शाखाओं के बारे में चर्चा की गई। संघ शक्ति व पथ प्रेरक की सदस्यता हेतु अभियान चलाने पर भी चर्चा हुई। संभाग प्रमुख खींवसिंह सुल्ताना सहयोगियों सहित बैठक में उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे प्रिय

विनय प्रताप सिंह ऊंचाईडा (जायल)

पुत्र श्री सांवत सिंह

का राजस्थान अंडर-14 फुटबॉल टीम में चयन होने पर
हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

प्रेम सिंह रणधा	भवानी सिंह मुंगेरिया	महेंद्र सिंह गुजरावास	रूपसिंह परेऊ	उत्तम सिंह नाहरसिंह नगर
करणीपाल सिंह गांवड़ी	दिलीप सिंह गड़ा	तनसिंह बिजाबा	भैरू सिंह बेलवा	मूलसिंह बेतीना
नरपत सिंह रामदेरिया	सुरेंद्र सिंह रुद	नरपत सिंह बस्तवा	महेशपाल सिंह गंगासरा	पाबु सिंह लवारन
लुणकरणसिंह तेना	भरत पाल सिंह दासपां	भगवान सिंह रावलगढ़	हरी सिंह ढेलाणा	लक्ष्मण सिंह गुड़ानाल
पदम सिंह ओसियां	जसवंत सिंह सेतरावा	गुलाब सिंह बेतीना	दीप सिंह टालनपुर	गोविन्द सिंह पांचला
शिव सिंह बड़ला	मदनसिंह आसकन्द्रा	चैन सिंह साथिन	युधिष्ठिर सिंह बैठवास	महावीर सिंह बापिणी	समुद्र सिंह आचीणा

संपादकीय

वर्तमान के निर्माण में इतिहास को बनाएं प्रेरणास्रोत

इतिहास हमारे समाज के लिए एक अत्यंत संवेदनशील विषय है। यह स्वाभाविक भी है क्योंकि ऐसा गौरवपूर्ण और अनूठा इतिहास संसार में किसी अन्य जाति का नहीं है जैसा क्षत्रिय जाति का रहा है। हमारे पूर्वजों के त्याग, शौर्य, महान चरित्र और अतुलनीय बलिदानों की जिन गाथाओं से यह इतिहास निर्मित हुआ है, उन्हें सुनकर-पढ़कर प्रत्येक व्यक्ति का शीश उनके प्रति श्रद्धा से नतमस्तक हो जाता है, तो इस इतिहास के उन निमार्ताओं के वंशजों का इस इतिहास के प्रति निष्ठावान और अतिसंवेदनशील होना स्वाभाविक ही है। इस निष्ठा और अतिसंवेदनशीलता के कारण ही हमारे इतिहास और इतिहास पुरुषों के प्रति किसी भी दुर्भावनापूर्ण कृत्य या टिप्पणी से हमारा पूरा समाज आहत और आक्रोशित हो उठता है और ऐसा होने पर समाज विभिन्न तरीकों से अपने इस आक्रोश की अभिव्यक्ति भी करता है। अपने गौरवशाली इतिहास और उसके संरक्षण के प्रति जागरूक होना निश्चित रूप से हमारा दायित्व है लेकिन साथ ही यह भी समझना आवश्यक है कि इतिहास को ही अपनी एकमात्र संपत्ति समझकर उसके लिए वर्तमान को उपेक्षित कर देना एक ऐसी भूल है जो किसी भी समाज में पुरुषार्थहीनता को जन्म दे सकती है। वर्तमान में जिस प्रकार से एक ओर हमारे समाज से द्वेष करने वाले तत्वों द्वारा हमारे इतिहास के विकृतिकरण और महापुरुषों के अपमान के कृत्य राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए किए जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर हमारे समाज में भी इतिहास के प्रति हमारी निष्ठा और अतिसंवेदनशीलता का लाभ उठाकर समाज के आक्रोश को भड़काकर उसका उपयोग व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थों को पूरा करने के लिए किया जा रहा है, उससे इतिहास को मात्र गर्व करने के विषय तक सीमित करके उस पर कब्जा जमाने के संघर्ष को प्रोत्साहित करने की प्रवृत्ति ही बढ़ रही है।

यह सत्य है कि अपने इतिहास को भूल जाने वाला समाज अपनी जड़ों से कट जाने के कारण अपने अस्तित्व को कायम नहीं रख पाता किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि केवल इतिहास पर निर्भर हो जाने वाला समाज अपने वर्तमान को निष्क्रियता और जड़ता के अधीन करके अपने भविष्य को गंवा बैठता है। इसलिए जो केवल इतिहास का गुणगान करके समाज के सम्मान और गौरव की रक्षा का दावा करते हैं और समाज के वर्तमान को संकल्प, त्याग और पुरुषार्थ से परिपूरित करने का कोई प्रयत्न नहीं करते, वे वास्तव में समाज का अहित ही कर रहे हैं। पूज्य श्री तनसिंह जी इसी दृष्टिकोण को समझाते हुए 'समाज चरित्र' पुस्तक के प्रकरण 'त्याग' में लिखते हैं कि - 'समाज में बिना वास्तविक त्याग की भावना भरे जो समाज को अपने ऐतिहासिक त्याग के बलबूते पर सम्मानित और जीवित रखना चाहता है, वह वास्तव में समाज का हितैषी नहीं, शत्रु है।' इसलिए यह हमारे लिए चिंतनीय है कि कहीं हम समाज के ऐसे शत्रुओं के उपकरण तो नहीं बन रहे? कहीं इतिहास के प्रति हमारी निष्ठा और संवेदनशीलता का अपने हितों के लिए प्रयोग करने वालों के बहकावे में आकर हम वर्तमान के प्रति हमारे दायित्व की उपेक्षा तो नहीं कर रहे? हमें यह भी समझना होगा कि कहीं हमारे लिए इतिहास सीखने और प्रेरणा प्राप्त करने के स्रोत की अपेक्षा केवल गर्व और अहंकार करने का विषय बनकर तो नहीं रह गया है? कहीं हम अपने पूर्वजों के द्वारा बनाए गौरवशाली इतिहास के बदले में अपने लिए किसी सम्मान और विशेषाधिकार की चाह तो नहीं रख रहे? हम चिंतन करेंगे तो पाएंगे कि आज ऐसा ही हो रहा है और यह हमारे सामाजिक भविष्य के दृष्टिकोण से अत्यंत चिंताजनक है। बिना कीमत चुकाए कुछ भी प्राप्त करने की चाह कालांतर में किसी भी व्यक्ति और समाज को उसके स्वाभिमान और पुरुषार्थ से हीन कर देती है। इसलिए यह अत्यंत आवश्यक है कि समाज में अपने इतिहास मात्र पर आश्रित होकर रह जाने की इस प्रकार की प्रवृत्ति को विकसित होने से रोका जाए और समाज के वर्तमान को पुरुषार्थी बनाने के उपाय किए जाएं। समाज में त्याग की उस भावना को भरने का प्रयास किया जाए जिसका वर्णन पूज्य तनसिंह जी ने उपरोक्त पंक्तियों में किया है। यदि ऐसा न कर-के कोई मात्र इतिहास के गौरव के बदले में वर्तमान की प्राप्तियों का व्यापार करना चाहता है तो वह छद्म रूप से समाज की भावनाओं का शोषण ही कर रहा है।

पूज्य श्री तनसिंह जी उसी प्रकरण में आगे लिखते हैं कि - 'यदि समाज को सम्मानित और गौरवपूर्ण जीवन देना है तो वर्तमान का भी निर्माण करना पड़ेगा। भूतकाल सिर्फ प्रेरणा के लिए है, वह मूलधन नहीं है जिसके ब्याज पर हम हमारा सम्मान खरीद सकें।' वर्तमान के निर्माण का उक्त कार्य संकल्प, त्याग और पुरुषार्थ की मांग करता है। उसके लिए प्रेरणा निश्चित रूप से हमारे पूर्वजों के महान चरित्र और उनके गौरवशाली इतिहास से ही मिलेगी लेकिन ऐसा तभी होगा जब हम इतिहास को शिक्षक और प्रेरणास्रोत के रूप में स्वीकार करें, न कि उस इतिहास के बल पर वर्तमान में अपनी श्रेष्ठता बिना श्रेष्ठ कर्म किए सिद्ध करने की चेष्टा करें। निश्चित रूप से अपने इतिहास को लेकर हमें जागरुक भी होना चाहिए, उसके संरक्षण का भी प्रयास करना चाहिए, कोई हमारे इतिहास को विकृत करने का प्रयत्न करता है तो उसका यथोचित प्रत्युत्तर भी वैध साधनों से दिया जाना चाहिए, लेकिन साथ ही इस बात को सदैव स्मरण रखें कि उस इतिहास का महत्व इसीलिए है कि उससे प्रेरणा लेकर हम वर्तमान के निर्माण में जुट जाएं। लेकिन यदि कोई इतिहास को ही मूलधन बताकर उसके ब्याज पर वर्तमान का सम्मान खरीदने की बात करता है तो वह वास्तव में समाज के शत्रु की ही भूमिका निभा रहा है। इसीलिए श्री क्षत्रिय युवक संघ इतिहास को शिक्षक के रूप में तो स्वीकार करता है लेकिन केवल उसकी जय-जयकार और गौरवगान मात्र में न उलझ कर उससे प्रेरणा लेकर वर्तमान के पुरुषार्थ के माध्यम से भविष्य की आधारभूमि तैयार करने का कार्य कर रहा है। संघ समाज में पूज्य तनसिंह जी की विचारधारा को स्थापित कर समाज में उसी त्याग की भावना को पुनः प्रतिष्ठित करने के लिए कर्मरत है जिस त्याग के बल पर हमारे पूर्वज इतिहास के नायक बने। आएं, हम भी अपने उज्ज्वल इतिहास को अपनी प्रेरणा का स्रोत बनाकर वर्तमान के निर्माण में जुटें और इतिहास को शोषण के हथियार के रूप में अपने समाज के विरुद्ध प्रयुक्त होने से रोकें। समाज को जागरूक करने में और भड़काने में बहुत अंतर होता है, इस अंतर को हम समझें और इतिहास को लेकर समाज में जागरूकता लाने में सहयोगी बनें लेकिन इतिहास को अपनी भावनाओं को भड़काने का साधन कभी न बनने दें।

दीप सिंह रणधा को मारवाड़ रत्न व विविधा सृजन सम्मान

वरिष्ठ साहित्यकार डिंगल कवि दीपसिंह भाटी 'दीप' रणधा को राजस्थानी भाषा साहित्य एवं डिंगल काव्य शैली संवर्धन में उनके योगदान हेतु मारवाड़ रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया जाएगा। मेहरानगढ़ म्यूजियम ट्रस्ट के सहायक निदेशक डॉ महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि रणधा को यह सम्मान जोधपुर के 567वें स्थापना दिवस पर 12 मई 2025 को मेहरानगढ़ दुर्ग जोधपुर में आयोजित विशेष समारोह के दौरान महाराजा गजसिंह जी के द्वारा प्रदान किया जाएगा। दीपसिंह रणधा को भाषा, साहित्य, संस्कृति, कला एवं सामाजिक जागरण को समर्पित संस्था, विविधा सूरतगढ़ द्वारा राजस्थानी भाषा संवर्धन और डिंगल काव्य सृजन में उत्कृष्ट कार्य करने के उपलक्ष्य में सूरतगढ़ स्थित महेश्वरी भवन में 'विविधा सृजन पुरस्कार 2024' से सम्मानित किया गया साथ ही श्री रणधा को उनकी काव्य कृति (डिंगल रसावळ) पर 'श्रीमती गोपीदेवी चांडक स्मृति पुरस्कार' प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि दीपसिंह भाटी द्वारा राजस्थानी गद्य-पद्य विधा में लिखित लगभग 10 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है और मायड़ भाषा संवर्धन को लेकर इनके द्वारा सोशल मीडिया पर 'डिंगल रसावल' नाम से एक शुद्ध साहित्यिक यूट्यूब चैनल संचालित किया जा रहा है जिसमें लुप्त हो रही डिंगल काव्य शैली और बातपोश विधा को सहेजने का कार्य पिछले एक दशक से किया जा रहा है।

गजेंद्र सिंह पोषाणा बने कृषि विश्वविद्यालय प्रबंधक मंडल के सदस्य

जालौर जिले के पोषाणा गांव के निवासी गजेंद्र सिंह को राज्य सरकार द्वारा कृषि विश्विद्यालय जोधपुर के प्रबंधक मंडल (बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट) के सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया है। उनका मनोनयन दो वर्ष के कार्यकाल के लिए किया गया है। प्रगतिशील कृषक गजेंद्र सिंह क्षेत्र के प्रमुख बीज उत्पादकों में शामिल है।

रामगढ़ में प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर आयोजित

जैसलमेर संभाग के रामगढ़ में स्थित राजपूत छात्रावास में श्री क्षत्रिय युवक संघ का प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर 12 से 14 अप्रैल तक आयोजित हुआ। शिविर का संचालन संघ के केंद्रीय कार्यकारी प्रेम सिंह रणधा ने किया। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि क्षत्रिय कुल में हमारा जन्म होने का अर्थ है कि हमें सत्य और न्याय के मार्ग पर अडिग रहते हुए जीवन जीना है। यह जीवन केवल भौतिक सुख-सुविधाओं का उपभोग करने के लिए नहीं मिला है, बल्कि अपने स्वधर्म का पालन करके इस जीवन को सार्थक करना है। उन्होंने बताया कि हमारे पूर्वजों ने प्राणीमात्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देकर क्षात्रधर्म का पालन किया। हमें भी उनके पदचिह्नों पर चलना है। वर्तमान परिस्थितियों में यह कार्य कठिन अवश्य है लेकिन असंभव नहीं। श्री क्षत्रिय युवक संघ वर्तमान युग के अनुरूप क्षात्रधर्म पालन का अभ्यास हमें करा रहा है। इस शिविर में आपको विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से वही अभ्यास करवाया जा रहा है। शिविर में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से 40 स्वयंसेवकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। संभाग प्रमुख गणपत सिंह अवाय भी सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे।

कुचामन सिटी में संभागीय स्नेहमिलन का आयोजन

साधना संगम संस्थान, कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर संभाग का स्नेह मिलन कुचामन सिटी स्थित आयुवान निकेतन में 19-20 अप्रैल को आयोजित हुआ। स्नेहमिलन में संभाग प्रमुख शिंभू सिंह आसरवा के निर्देशन में आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर के लिए योग्य स्वयंसेवकों की सूची तैयार करने, कार्यालय भवन की मरम्मत करवाने, संघशक्ति व पथ प्रेरक की सदस्यता बढ़ाने सहित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में कार्यालय प्रभारी भगवत सिंह सिंघाना, वरिष्ठ स्वयंसेवक बाबु सिंह नगवाड़ा, नागौर प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल, कुचामन प्रांत प्रमुख नत्थू सिंह छापड़ा, लाडनूं- सुजानगढ़ प्रांत प्रमुख विक्रम सिंह ढींगसरी, डीडवाना प्रांत प्रमुख जय सिंह सागु बड़ी सहित संभाग के अन्य दायित्वाधीन स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

भूपेंद्र सिंह नाथडाऊ बने राजस्थान फुटबॉल टीम के प्रशिक्षक

जोधपुर जिले की बालेसर तहसील के नाथडाऊ गांव के निवासी भूपेंद्र सिंह राठौड़ को राजस्थान फुटबाल टीम का प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय स्वरूपसागर जोधपुर में शारीरिक शिक्षक के रूप में कार्यरत भूपेंद्र सिंह को शिक्षा विभाग बीकानेर निदेशालय द्वारा यह जिम्मेदारी दी गई। राठौड़ इससे पूर्व ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन में रेफरी की भूमिका निभा चुके हैं एवं राजस्थान टीम के कप्तान भी रह चुके हैं। वे सात बार राष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं।

बीकानेर संभाग की कार्ययोजना बैठक

बीकानेर स्थित संभागीय कार्यालय नारायण निकेतन में बीकानेर संभाग की कार्य योजना बैठक 27 अप्रैल को आयोजित हुई। बैठक के दौरान संभाग प्रमुख रेवन्त सिंह जाखासर के निर्देशन में इस सत्र में संभाग में हुए कार्यों की समीक्षा की गई। उदयपुर में आयोजित होने जा रहे आगामी उच्च प्रशिक्षण शिविर की तैयारियों के संबंध में भी चर्चा की गई।

विनय प्रताप व निहारिका का राजस्थान फुटबॉल टीम में चयन

जायल क्षेत्र के ऊंचाईडा गांव के निवासी विनय प्रताप सिंह का राजस्थान अंडर 14 फुटबॉल टीम में चयन हुआ है ' उन्होंने जिला व राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उदयपुर में अभ्यास मैच के दौरान भी उन्होंने श्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसके आधार पर उन्हें राजस्थान टीम में स्थान मिला है। मयूर चौपासनी स्कूल में अध्ययनरत विनय के पिता सांवत सिंह श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक हैं। लूणी क्षेत्र के भांडू कला गांव की निवासी निहारिका सिंह उदावत का भी राजस्थान अंडर 14 महिला फुटबॉल टीम में चयन किया गया है। दोनों खिलाड़ी 24 से 29 अप्रैल तक कोल्हापुर महाराष्ट्र में आयोजित होने जा रही राष्ट्र स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे।

आजाद सिंह शिवकर की पुस्तक को अमेरिका में मिली सहाहना

संयुक्त राज्य अमरीका के कैलिफोर्निया राज्य के लास एंजल्स शहर स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ सदर्न कैलिफोर्निया में आयोजित हो रहे 30वें लॉस एंजल्स टाइम्स फेस्टिवल ऑफ बुक्स में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव आजाद सिंह शिवकर की पुस्तक को प्रदर्शित किया गया। इस दौरान पुस्तक बलूचिस्तान द हाईट्स ऑफ अप्रेशन की प्रोफेसरों और पाठकों ने सराहना की। बुक साइनिंग इवेंट के दौरान भी पाठकों की भीड़ लगी रही। प्रोफेसर, प्रवासी भारतीय और अमेरिका सहित कई देशों के लेखकों और पाठकों ने पुस्तक के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करते हुए सराहा। बलूचिस्तान जैसे ज्वलंत विषय के कारण पुस्तक ना सिर्फ चर्चित रही बल्कि बुद्धिजीवियों, पाठकों का ध्यान भी खींचा। इस पुस्तक में बलूचिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किए गए विश्वासघात और अन्याय के साथ-साथ बलूच लोगों के प्रतिरोध और विद्रोह को भी उजागर किया गया है। यह पुस्तक मुख्य रूप से वर्तमान बलूचिस्तान पर केंद्रित है, जो पाकिस्तान के कब्जे वाला क्षेत्र है। इसमें बलूच लोगों के इतिहास, संस्कृति और पिछले सात दशकों से पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे दमन का सजीव चित्रण किया गया है व असंख्य बलूच लोगों के दर्द, अत्याचार और उत्पीड़न को जगह दी गई है। गौरतलब है कि इस पुस्तक को इससे पहले भी देश-विदेश सहित कई प्रतिष्ठित फोरम पर सराहा गया है।

दिव्यांश सोलंकी को एनडीए परीक्षा में द्वितीय स्थान

दिव्यांश सोलंकी पुत्र धीरेन्द्र सिंह सोलंकी ने केंद्रीय लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित एनडीए परीक्षा (II) - 2024 में अखिल भारतीय स्तर पर द्वितीय स्थान (2nd रैंक) प्राप्त किया है। उत्तरप्रदेश के जनपद कासगंज के खंड अमांपुर के गांव जसपुरा के मूल निवासी दिव्यांश वर्तमान में कैप्टन मनोज पांडेय सैनिक स्कूल, लखनऊ में कक्षा 12वीं के छात्र हैं और बोर्ड परीक्षा के परिणाम आने से पूर्व ही एनडीए में फाइनल चयन के साथ देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है।

अजय सिंह राठौड़ को हार्वर्ड विश्वविद्यालय में मानद उपाधि

जयपुर निवासी अधिवक्ता एवं शिक्षाविद अजय सिंह राठौड़ को संयुक्त राज्य अमेरिका के हार्वर्ड विश्वविद्यालय में 'डॉक्टर ऑफ ऑनर - डॉक्टरेट इन एजुकेशनल लीडरशिप' की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान 12 अप्रैल को आयोजित बोस्टन अवार्ड्स फॉर एक्सीलेंस - 2025 के अंतर्गत हार्वर्ड क्लब में आयोजित अप्लाइड रिसर्च इंटरनेशनल कांफ्रेंस के दौरान प्रदान किया गया। शिक्षा, शैक्षणिक नेतृत्व एवं व्यावसायिक विकास के क्षेत्र में राठौड़ के दीर्घकालिक और उल्लेखनीय योगदान हेतु उन्हें यह सम्मान दिया गया। राठौड़ के व्यक्तिगत रूप से उपस्थित ना हो पाने पर पंजाब की चितकारा यूनिवर्सिटी की डॉ. निधि पुंज ने उनकी ओर से यह सम्मान ग्रहण किया।

गाजियाबाद में विक्रमादित्य जयंती एवं हिंदू नव वर्ष समारोह का आयोजन

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर - 10 में चक्रवर्ती सम्राट विक्रमादित्य परमार की जयंती एवं हिंदू नव वर्ष समारोह का आयोजन 13 अप्रैल को किया गया जिसमें देश के विभिन्न प्रदेशों से संगठन के पदाधिकारी एवं समाज बंधु सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता महावीर सिंह ने विक्रमादित्य जी के चरित्र को सभी के लिए प्रेरणादायक बताया और कहा कि हमें विक्रमादित्य, महाराणा प्रताप, पृथ्वीराज चौहान और शिवाजी जैसे महापुरुषों के इतिहास के बारे में जानकर उनके दिखाए आदर्शों पर चलना चाहिए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषिपाल सिंह परमार ने कहा कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण के केंद्रीय सेवाओं में सरलीकरण हेतु हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। इसके लिए पूरे देश में एक अभियान चलाने की आवश्यकता है। उन्होंने इतिहास विकृतिकरण और महापुरुषों के अपमान को रोकने के लिए कानून बनाने की भी मांग की। आयोजन समिति के अजय चौहान ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। संस्था के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष संदीप ठाकुर, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष आकाश सिंह परमार, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समरपाल सिंह चौहान व नरेश चौहान सहित अनेकों समाजबंधु कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

IAS/ RAS
तैयारी करने का राजस्थान का सर्वश्रेष्ठ संस्थान
स्प्रिंग बोर्ड
Spring Board
Springboard Academy, Main Riddi Siddi choraha, Opposite Bank of Baroda, Gopalpura bypass Jaipur
website : www.springboardindia.org

BNB
ॐ
श्री योगेश्वर छात्रावास
कुचामन सिटी
विशेषताएं
1. कक्षा 6 से 12 वीं तक के विद्यार्थियों हेतु सीमित स्थान ।
2. अनुशासित एवं नियमित दिनचर्या ।
3. शुद्ध, पौष्टिक एवं सात्विक आहार ।
4. सभी प्रमुख शिक्षण संस्थाओ के समीप स्थित ।
5. स्वाध्याय हेतु निःशुल्क लाईब्रेरी सुविधा ।
जिम्मेदारी हमारी विश्वास आपका
संम्पर्क सूत्र :
9772097087, 9799995005, 8769190974
SBI बैंक के पास, डीडवाना रोड़, कुचामन सिटी

शिविर सूचना

क्र.सं.	शिविर	समय	स्थान मार्ग आदि
01.	**प्रा.प्र.शि बालक वर्ग**	09.05.2025 से 12.05.2025 तक	**बावतरा।** श्री कवाय माता मंदिर। तहसील सायला-जालोर बाड़मेर-जालोर हाई-वे पर स्थित। सम्पर्क सूत्रः गजेन्द्रसिंह कोमता-9461453360, इन्द्रसिंह सायला- 9982831051
02.	**उ.प्र.शि बालक वर्ग**	18.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर।** 10वीं की परीक्षा दी हो। एक मा.प्र.शि. तथा दो प्रा.प्र.शि. किया हो। शिविर में 18 मई को प्रातः 10 बजे तक पहुंचना है। झनकार, दोनों निर्देशिका, मेरी साधना व साधक की समस्याएं पुस्तकें साथ लेकर आवें। गणवेश में काली निकर सफेद कमीज या टी शर्ट, धोती, कुर्ता व केसरिया साफा लाना है। शेष सामान निर्देशिका के अनुसार लेकर आवें।
03.	**उ.प्रा.शि मातृशक्ति**	23.05.2025 से 29.05.2025 तक	**उदयपुर। 10वीं उत्तीर्ण।** कम से कम दो शिविर किए हुए हो। सायंकालीन प्रार्थना में पारम्परिक। गणवेश-केसरिया साड़ी या पोशाक।

गजेन्द्र सिंह आऊ, शिविर कार्यालय प्रमुख

अलख नयन
आई हॉस्पिटल
Super Specialized Eye Care Institute
विश्वस्तरीय सम्पूर्ण नेत्र चिकित्सा सेवाएं
मोतियाबिन्द | कॉर्निया | नेत्र प्रत्यारोपण
कालापानी | रेटिना | बच्चों के नेत्र रोग
डायबिटीक रेटिनोपैथी | ऑक्यूलोप्लास्टि
'अलख हिल्स', प्रताप नगर ऐक्सटेंशन, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
0294-2490970, 71, 72, 9772204624
e-mail : info@alakhnayanmandir.org, Website : www.alakhnayanmandir.org

रामपुरिया में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन

श्री क्षत्रिय युवक संघ के चित्तौड़गढ़ प्रांत में विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन कर समाजबंधुओ को श्री क्षत्रिय युवक संघ के बारे में जानकारी प्रदान करने के क्रम में 20 अप्रैल को श्री हनुमान मंदिर परिसर, रामपुरिया (ओडून्द के पास), चित्तौड़गढ़ में कार्यक्रम आयोजित किया गया। संघ के केंद्रीय कार्यकारी गंगा सिंह साजियाली द्वारा संघ के उद्देश्य व कार्य प्रणाली के बारे में बताया गया एवं आगामी शिविरों की जानकारी देते हुए अपनी भावी पीढ़ी को संघ के शिविरों में भेजने का निवेदन किया गया। केसरिया पताका व संघ साहित्य का वितरण भी किया गया। इस अवसर पर रामपुरिया से राम सिंह, पर्वत सिंह, महेंद्र सिंह, लोकेंद्र सिंह, महावीर सिंह, शैलू सिंह, राजपाल सिंह, विजेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, देवराज सिंह, करण सिंह, प्रताप सिंह, नंद सिंह, चतर सिंह, रणवीर सिंह, कुलदीप सिंह आदि समाजबंधु उपस्थित रहे। 27 अप्रैल को प्रताप कॉलोनी, चंदेरिया स्थित मूलसिंह जी के आवासीय परिसर में भी विशेष शाखा व सामूहिक यज्ञ का आयोजन हुआ।

विभिन्न स्थानों पर ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जागरूकता शिविरों का आयोजन

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन द्वारा राजस्थान में विभिन्न स्थानों पर ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र जागरूकता शिविरों का आयोजन किया गया। 13 अप्रैल को बाड़मेर जिला मुख्यालय स्थित श्री मल्लीनाथ राजपूत महाविद्यालय छात्रावास में शिविर का आयोजन किया गया जिसमें अभ्यर्थियों ने आवेदन किए गए। 13 अप्रैल को ही नागौर जिला मुख्यालय पर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में भी शिविर का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित अभ्यर्थियों के ईडब्ल्यूएस प्रमाण पत्र सहित मूल निवास और जाति प्रमाण पत्र के आवेदन किए गए। शिविर के दौरान श्री क्षत्रिय युवक संघ के नागौर प्रांत प्रमुख उगम सिंह गोकुल, मंडल प्रमुख विक्रम सिंह खारीकर्मसोता, फांउडेशन के नरेंद्र सिंह चाऊ सहित जीवराज सिंह चाऊ, लक्ष्मण सिंह डेह, दलीप सिंह हरीमा, महावीर सिंह जोशियाद, सुरेन्द्र सिंह अलाय, राजेन्द्र सिंह शेखावत आदि सहयोगी उपस्थित रहे। ई मित्र का सहयोग पूनम सिंह, मुकन सिंह द्वारा किया गया। इसी दिन पाली जिले के खिंदारा गांव में भी शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें खिंदारा गांव और सिंदरू गांव के योग्य अभ्यर्थियों ने आर्थिक कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण के अंतर्गत आय व संपत्ति प्रमाण पत्र के आवेदन किए। शिविर आयोजन में खिंदारा गांव के परबत सिंह (सेवा निवृत सीबीईओ), विक्रम सिंह, गोविंद सिंह, अधिवक्ता जितेंद्र सिंह, मदन सिंह, शूरवीर सिंह, पूरनपाल सिंह, जयपाल सिंह, गणपत सिंह, भोपाल सिंह, छैल सिंह, जसवंत सिंह, मनोहर सिंह सहित भगवत सिंह लापोद, नरेंद्र सिंह रोजदा, नरेंद्र सिंह पावा आदि का सहयोग रहा। 17 अप्रैल को सीकर जिले के साँवलोदा लाडखानी गांव में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में फाउंडेशन के सहयोगी बृजेंद्र सिंह साँवलोदा, सलाबसिंह (पूर्व सरपंच), शीशराम (पटवारी), ग्राम विकास अधिकारी कैलाश वर्मा, व्याख्याता रोहिताश थालोड़, ई मित्र संचालक नरेंद्र सिंह, करण कुमावत सहित दीपेन्द्र सिंह सांवलोदा, पवन सिंह, विशाल शर्मा, हसन खान आदि सहयोगी उपस्थित रहे। 20 अप्रैल को जैसलमेर जिले के चांधन व बडोड़ा गांव में शिविर का आयोजन किया गया। दोनों शिविरो में 200 से अधिक आवेदकों ने आवेदन किए। फाउंडेशन के सहयोगी मनोहर सिंह भैरवा ने बताया कि चांधन शिविर में चांधन सरपंच प्रतिनिधि राजेंद्र सिंह, व्याख्याता प्रहलाद सिंह, सवाई राम, कंवराज सिंह डेलासर, अमर सिंह जेठा, भवानी सिंह, पटवारी पूनमसिंह, शैताना राम, बबलू चौधरी तथा बडोड़ा गांव में व्याख्याता रतन सिंह, गेन सिंह, सहायक विकास अधिकारी भेरू सिंह, प्रहलाद सिंह, छैलेंद्र सिंह व ई मित्र संचालक अनोप सिंह आदि सहयोगी रहे।

27 अप्रैल को लाडनूं स्थित परिहार कॉम्प्लेक्स में शिविर का आयोजन किया गया। फाउंडेशन के सदस्य रविन्द्र सिंह लाडनूं ने बताया कि शिविर में योग्य अभ्यर्थियों के ईडब्ल्यूएस, मूल निवास एवं जाति प्रमाण पत्र के आवेदन करवाए गए इस दौरान लक्ष्मण सिंह दताऊ, कुलदीप सिंह छपारा, मदन सिंह धोलिया, रविंद्र सिंह छपारा, शेर सिंह हुड़ास, रविंद्र सिंह दुजार, दिलीप सिंह सांडास, निर्मल सिंह डाबड़ी, ओमपाल सिंह रायधना, भींव सिंह तीपनी, धीरेन्द्र सिंह ढींगसरी, अभिमन्यु सिंह गनोड़ा, धर्मवीर सिंह ढींगसरी आदि सहयोगी उपस्थित रहे। 27 अप्रैल को ही जायल स्थित श्री राजपूत सभा भवन में भी शिविर का आयोजन हुआ। इस दौरान संघ के डीडवाना प्रांत प्रमुख जय सिंह सागू सहित फाउंडेशन के जिला सदस्य मगन सिंह बरनेल, नरेंद्र सिंह राजोद, हुकुम सिंह राजोद, सुरेन्द्र सिंह भांवला, करण सिंह बोडिंद , मान सिंह, हरी सिंह, श्याम सिंह छापड़ा, रविन्द्र सिंह जाखण, खेत सिंह छाजोली आदि सहयोगी उपस्थित रहे। इन शिविरों का मूल उद्देश्य योग्य अभ्यर्थियों द्वारा समय पर प्रमाण पत्र बनवाने संबंधी जागरूकता पैदा करना रहा क्योंकि कई बार समय पर प्रमाण पत्र नहीं बने होने के कारण अभ्यर्थी विभिन्न सरकारी नौकरियों के आवेदन से वंचित रह जाते हैं। इन शिविरों में ई-मित्र सहित अन्य सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई गई जिसके कारण अभ्यर्थियों के बिना किसी परेशानी के प्रमाण पत्र बन जाएं और वे समय पर विभिन्न सरकारी नौकरियों के आवेदन कर सकें।

सिंहावल (विजयनगर) में कार्यशाला आयोजित

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की कार्यशाला अजमेर जिले के सिंहावल गांव में स्थित रीजनल ड्राइविंग ट्रेनिंग सेंटर में 18 से 20 अप्रैल तक आयोजित हुई। कार्यशाला का संचालन करते हुए संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने बताया कि श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन समाज के युवाओं में सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने हेतु कार्य कर रहा है। दृष्टिकोण के सकारात्मक बनने पर ही युवाओं की ऊर्जा समाज के लिए उपयोगी बन सकती हैं। इसके लिए फाउंडेशन समाज के 25 से 50 वर्ष के युवाओं में संपर्क, समझ, सहयोग, सशक्तिकरण और सेवा के विचार को स्थापित करने के लिए प्रयत्नरत है। कार्यशाला में संभागियो ने संघ की शिक्षण प्रणाली के अनुरूप प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं अजमेर में फाउंडेशन के कार्य को गति देने हेतु कार्ययोजना बनाई। कार्यशाला में फाउंडेशन के अजमेर जिला प्रभारी देशराज सिंह लिसाडिया सहित भंवर सिंह खिरिया, यज्ञप्रताप सिंह पिपरोली, धर्मेंद्र सिंह खिरिया, शिवराज सिंह लिसाड़ीया, विक्रम सिंह बिलिया, सत्यवीर सिंह अरवड, शक्ति सिंह सराना, बनवारी सिंह नागोला, रणवीर सिंह नांद, हेम सिंह लिसाड़ीया, निकेंद्र सिंह कल्याणपुरा, सूर्यपाल सिंह, राजबहादुर सिंह बिलिया, दिग्विजय सिंह कल्याणपुरा, सम्पत सिंह सोल, हरी सिंह पीलोदा, महिपाल सिंह भिनाय आदि संभागी उपस्थित रहे।

जोधपुर में सम्राट पृथ्वीराज चहुआंण संस्थान की बैठक आयोजित

सम्राट पृथ्वीराज चहुआंण संस्थान की कार्यकारिणी की बैठक 27 अप्रैल को जोधपुर स्थित महाराजा गजसिंह राजपूत विश्राम भवन में आयोजित हुई। संस्था के अध्यक्ष गोपालसिंह रूदिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि सम्राट पृथ्वीराज चहुआंण की 859वीं जयंती 7 जून 2025 को राजराजेश्वरी मां आशापुरा जी के पाट स्थान नाडोल में समारोह पूर्वक मनाई जाएगी। जयंती समारोह के उपलक्ष्य में मई के प्रथम सप्ताह से जून माह के प्रथम सप्ताह तक प्रत्येक रविवार को विभिन्न कार्यक्रमों तथा प्रतियोगिताओं यथा - सद्?भावना दौड़, वृक्षारोपण, इतिहास संगोष्ठी, काव्य प्रतियोगिता, रक्तदान शिविर आदि का आयोजन विभिन्न जिला मुख्यालयों पर किया जाएगा। इस संबंध में चर्चा कर प्रत्येक कार्यक्रम की रूपरेखा बनाकर प्रभारी नियुक्त किए गए। संस्थान के संयोजक श्यामसिंह सजाडा, रामसिंह रोहिणा, गोपालसिंह भलासरिया, राजेंद्रसिंह पीपरली, रणवीरसिंह अरनाय, संग्रामसिंह रोहिचा, दयालसिंह गादेरी, ईश्वरसिंह बोया, दयालसिंह सिलारी व पुरणसिंह मजल सहित समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उत्तराखंड में 10वीं में कमल चौहान व 12वीं में अनुष्का राणा को प्रथम स्थान

कमल सिंह चौहान पुत्र हरीश सिंह चौहान ने उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा 2025 में कक्षा 10वीं में 99.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। कमल उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के रीमा क्षेत्र के किड़ई गांव के मूल निवासी हैं। उनके पिता किसान हैं व माता गृहिणी हैं। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में अनुष्का राणा पुत्री रामेंद्र राणा ने 98.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मूल रूप से टिहरी गढ़वाल जिले के जमुनिखाल क्षेत्र के भल्डियाना गांव की मूल निवासी अनुष्का वर्तमान में देहरादून के जीईसी बड़ासी स्कूल की छात्रा हैं। उनके पिता उसी विद्यालय में भौतिकी विज्ञान (फिजिक्स) के व्याख्याता हैं, जबकि मां गृहिणी हैं।

उदयपुर में सूचना-प्रौद्योगिकी इकाई की दो दिवसीय कार्यशाला संपन्न

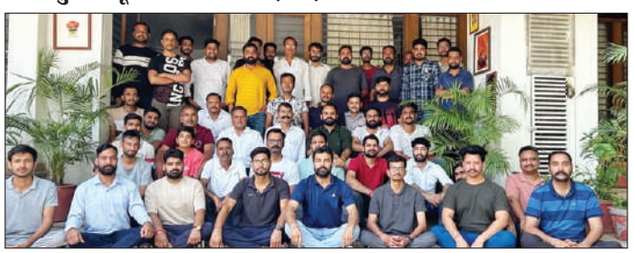

श्री क्षात्र पुरुषार्थ फाउंडेशन की सूचना-प्रौद्योगिकी इकाई की दो दिवसीय कार्यशाला उदयपुर में 26-27 अप्रैल को संपन्न हुई। कार्यशाला में संघ के केंद्रीय कार्यकारी रेवंत सिंह पाटोदा ने संघ और फाउंडेशन की कार्यप्रणाली के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि संघ समाज में विचार क्रांति लाने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है। विचारों में परिवर्तन आने से ही समझ में भी परिवर्तन आ सकेगा। हम समाज में जो भी समस्याएं देखते हैं, जिन अभावों को अनुभव करते हैं, उनके समाधान एवं पूर्ति के लिए हमें अन्य किसी से अपेक्षा करने की बजाय, हम स्वयं जो कुछ कर सकते हैं, वह करना प्रारंभ कर देना चाहिए। जब भी कोई कार्य करना प्रारंभ किया जाता है तो उसका परिणाम भी अवश्य आता है भले ही उसमें कुछ समय लग जाए। उन्होंने कहा कि प्रायः यह देखने में आता है कि ऐसे कार्यक्रमों में समाज की बात सुनकर हमारे भीतर भी कर्म करने की प्रेरणा जगती है लेकिन कुछ ही समय बाद हम उसे संकल्प और प्रेरणा को भूल जाते हैं। भूलने का कारण यही है कि हमने उस प्रेरणा को, उस संकल्प को महत्व नहीं दिया। जिस चीज को हम वास्तव में महत्व देते हैं उसे कभी नहीं भूलते। इसलिए इस कार्यक्रम के माध्यम से जो विचार आपने ग्रहण किए हैं, उन्हें महत्व देना प्रारंभ करें। उन्हें महत्व देंगे तो ही वे विचार कर्म में परिणत होंगे और हमारे जीवन को बदलने में समर्थ होंगे। कार्यशाला में नरेंद्र सिंह बोया, शैलेंद्र सिंह सामी, शक्ति सिंह मेव, राहुलराज सिंह सोनी (मध्यप्रदेश), शेर सिंह राजपुरा, उमंग सिंह बेगूसराय, ओंकार सिंह खारिया, पुष्पेन्द्र सिंह बडागांव, तेजेंद्र सिंह मसूदा, सोरभ सिंह चूड़ी अजीतगढ़, कनिष्क सिंह बासा, रघुराज सिंह संजरिया, विक्रम सिंह नरुका की ढाणी, सुरेंद्र सिंह बगतपुरा, दीपेंद्र सिंह पलाडा सहित मेवाड़, मारवाड़ और शेखावाटी के 50 से अधिक संभागियों ने हिस्सा लिया।

(पृष्ठ एक का शेष)

प्रेमभाव...उसके लिए हमें समाज में नई चेतना भरनी पड़ेगी। आज के युग में किस प्रकार से हम दुष्प्रवृत्तियों से पार पा सकते हैं, इसका मार्ग ढूंढना पड़ेगा। सीमा की रक्षा के लिए आज फौज है, आंतरिक सुरक्षा के लिए पुलिस है, लेकिन हमारे अंतःकरण में जो संघर्ष चल रहा है उसको हमको ही रोकना पड़ेगा। पूज्य तनसिंह जी को समाज में एकता की कमी जब अनुभव हुई तो उन्होंने लंबा चिंतन किया। संघ की स्थापना से पूर्व उन्होंने उसके ध्येय, मार्ग, प्रणाली आदि को निश्चित किया। संघ का कार्य एक आंदोलन है, एक क्रांति है, जो आमूलचूल परिवर्तन करना चाहती है। संसार में जो दुष्चक्र चल रहा है, उसको रोकने का प्रयास संघ कर रहा है लेकिन इसमें बहुत समय लगेगा, इसलिए धैर्य रखते हुए लगातार कर्मरत रहना पड़ेगा। श्री प्रताप युवा शक्ति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए इतिहास के अध्येता राजवीर सिंह चलकोई ने कहा कि महाराणा सांगा का जीवन आज भी सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनका महान चरित्र, मातृभूमि के प्रति प्रेम, नेतृत्व क्षमता, सैन्य कुशलता और वीरता इतिहास में अद्वितीय है। महाराणा सांगा ने अपने पुत्र भोजराज की मृत्यु के पश्चात मीरां जी के भक्तिभाव का संरक्षण किया। उन्होंने संत रैदास को सम्मान दिया। ये सभी उदाहरण सांगा के चरित्र की महानता के प्रमाण है। ऐसे महान व्यक्तित्व के प्रति यदि कोई दुर्भावनापूर्ण टिप्पणी करता है तो यह अत्यंत दुर्भाग्य की बात है। हम सभी को राणा सांगा का सही इतिहास सभी तक पहुंचाने के लिए प्रयास करना चाहिए। रमण भारद्वाज ने महाराणा सांगा के जीवन चरित्र पर प्रकाश डालते हुए उनके संघर्षों, युद्धों, अपराजेय नेतृत्व और राष्ट्रभक्ति के बारे में विस्तार से बताया। राखी राठौड़ ने 'संस्कार निर्माण में मातृशक्ति की भूमिका' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि यदि राष्ट्र को संस्कारवान बनाना है तो यह कार्य माताओं द्वारा ही किया जा सकता है। माताएं अपनी संतान को श्रेष्ठ संस्कार देकर ही राष्ट्र की नींव मजबूत कर सकती हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में सामूहिक हवन का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम संयोजक गजेंद्र सिंह बड़वाली ने अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर व्यवस्था का दायित्व संभाला। इसके अतिरिक्त भी देश भर में अनेक स्थानों पर धर्म रक्षक महाराणा सांगा की जयंती मनाई गई जिसमें स्वयंसेवकों व समाज बंधुओ ने उपस्थित रहकर महाराणा सांगा के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट की। जालौर जिले के बावतरा में स्थित श्री कैवाय माताजी मंदिर में भी मेवाड़ के महाराणा सांगा की 543वीं जयंती मनाई गई जिसमें समाजबंधुओं द्वारा सांगा को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। सभी ने महाराणा के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की बात कही। इस अवसर पर 09 से 12 मई, 2025 तक गढ़ बावतरा में आयोजित होने वाले श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्राथमिक प्रशिक्षण शिविर का पोस्टर विमोचन भी किया गया। पाली के राजेंद्र नगर में स्थित राजपूत सभा भवन में भी जयंती मनाई गई। मां करणी बालिका शाखा की स्वयंसेविका ओम कँवर ने महाराणा सांगा की जीवनी पर प्रकाश डाला। मालम सिंह हेमावास ने महाराणा के विभिन्न युद्धों व उनकी वीरता के बारे में बताया। झुंजार सिंह देनोक व किशन सिंह नींबली उड़ा ने भी अपने विचार रखे। सोजत, मारवाड़ जंक्शन व सुमेरपुर मण्डल में भी राणा सांगा जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम रखे गए। श्री महाराव सुरताण क्षत्रिय शिक्षण संस्थान (राजपूत छात्रावास) सिरोही में भी महाराणा सांगा की जयंती मनाई गई। श्री क्षत्रिय युवक संघ के प्रांत प्रमुख ईश्वर सिंह सरण का खेड़ा, भवानी सिंह भटाणा, उदय सिंह डिंगार, गणपत सिंह सेलवाडा, चन्द्र वीर सिंह लुणोल, प्रताप सिंह सादलवा आदि ने कार्यक्रम को संबोधित किया और राणा सांगा के व्यक्तित्व से प्रेरणा लेने की बात कही। नागौर स्थित श्री अमर राजपूत छात्रावास में भी राणा सांगा की जयंती मनाई गई। विक्रम पाल सिंह ने राणा सांगा का जीवन परिचय दिया और बताया कि किस प्रकार मात्र 46 वर्ष के जीवन में उन्होंने अनेकों युद्ध किए और मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने जीवन के अंतिम क्षण तक विदेशी आततायियों से संघर्ष किया। जब्बर सिंह दौलतपुरा ने बताया कि महाराणा सांगा ने क्षात्रधर्म की परम्परा के अनुरूप अपने कर्तव्य का पालन करते हुए क्षत्रियोचित जीवन जिया जो न केवल उस समय के लिए अपितु वर्तमान व्यवस्था के लिए भी आदर्श है। कार्यक्रम में छात्रावास के कोषाध्यक्ष छैलू सिंह खेतास, छात्रावास अधीक्षक भंवर सिंह गोठडी, नरेंद्र सिंह चाऊ, भवानी सिंह सुखवासी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे और राणा सांगा के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किये। जैसलमेर के तेजमालता में भी जयंती मनाई गई। फरीदाबाद के सेक्टर - 8 में स्थित महाराणा प्रताप भवन में राजकुल सांस्कृतिक संस्थान के तत्वावधान में सांगा जी की जयंती मनाई गई। संस्थान के अध्यक्ष नारायण सिंह पांडुराई ने बताया कि कार्यक्रम में स्थानीय समाज बंधुओ के साथ विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। दिल्ली विश्वविद्यालय के आत्माराम सनातन धर्म कॉलेज में भी सांगा जी की जयंती मनाई गई। हैदराबाद में हनुमान टेकडी स्थित प्रगति कॉलेज में भी 13 अप्रैल को जयंती मनाई गई। रतन सिंह, सतीश सिंह, कालुसिंह सुराणा एवं रेणुका कंवर ने अपने विचार रखे और सांगा जी के शौर्य को नमन किया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सिंह भियाड़ और गोपाल सिंह चारणीम ने किया। पुणे के दत्तवाड़ी में भी प्रताप शाखा द्वारा जयंती कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसमें योगेंद्र सिंह फूंगणी ने महाराणा सांगा का जीवन परिचय दिया। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले के बिलारी में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा महाराणा सांगा की जयंती मनाई गई। मुरादाबाद के मूंढापांडे में क्षत्रिय सभा द्वारा राणा सांगा जयंती पर दो पहिया वाहन रैली का आयोजन किया गया। कुंदरकी विधायक रामवीर सिंह ने रैली को संबोधित किया। सभा के जिला अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह व अन्य सहयोगी इस अवसर पर उपस्थित रहे। हरिद्वार के कनखल में स्थित श्री राजपूत धर्मशाला में भी जयंती के उपलक्ष्य में विचारगोष्ठी का आयोजन हुआ। प्रोफेसर भारत भूषण ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महाराणा सांगा ने अपने अदम्य साहस, दूरदृष्टि और रणकौशल से विदेशी आक्रांताओं को मुंहतोड़ जवाब दिया। वे राजपूताना के गौरव और एकजुटता के प्रतीक हैं। पूर्व प्रधानाचार्य रोहिताश्व कुंवर एवं यशपाल सिंह राणा ने भी अपने विचार रखे। मोहित सिंह ने स्थानीय समाजबंधुओं के साथ मिलकर आयोजन में सहयोग किया। मुंबई की तनेराज शाखा एवं तुर्भे की पृथ्वीराज शाखा में भी राणा सांगा जयंती एवं हनुमान जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। कर्नाटक के बेंगलुरु में राणा सिंह पेट स्थित चामुंडा माता मंदिर में प्रताप शाखा द्वारा जयंती मनाई गई। आगरा में इस अवसर पर विशाल रैली व प्रदर्शन का आयोजन कर राणा सांगा के बारे में सपा सांसद की टिप्पणी के विरुद्ध आक्रोश प्रकट किया गया।

अपने हृदय.. उस संकल्प को धूमिल न होने दें। संसार में दैवीय और आसुरी प्रवृत्तियों का जो संघर्ष चल रहा है उसमें हम पर आसुरी प्रवृत्ति हावी न हो, इसका हमें ध्यान रखना है। इसके लिए हमको निरन्तर उस मार्ग पर चलते रहना है जो संघ ने हमें दिखाया है। बहता हुआ पानी स्वच्छ रहता है और रुकने पर वह पानी सड़ जाता है। इसलिए 'चरैवेति-चरैवेति' को अपना जीवन मंत्र बना लेवें। जब कभी भी आपके भीतर निराशा का भाव आने लगे, आपका संकल्प कमजोर होने लगे तब संघ के शिविरों और शाखाओं में आकर पुनः अपने आप को ऊर्जा से भर लें। संघ सदैव आपका स्वागत करने को आतुर है। 9 से 14 अप्रैल तक आयोजित इस शिविर में राजस्थान के विभिन्न जिलों से 130 शिविरार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। मेवाड़ वागड़ संभाग प्रमुख भंवर सिंह बेमला सहयोगियों सहित शिविर में उपस्थित रहे।

रतन सिंह लुणु राष्ट्रपति पुरस्कार (पुलिस पदक) से सम्मानित

पुलिस स्थापना दिवस (16 अप्रैल) पर राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में आयोजित समारोह में राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजन लाल शर्मा ने बाड़मेर जिले के लुणु गांव के निवासी रतन सिंह (पुलिस अधीक्षक, इंटेलिजेंस राजस्थान) को उनकी सराहनीय सेवाओं के लिए राष्ट्रपति पुरस्कार (पुलिस पदक) से सम्मानित किया। यह पुलिस पदक रतन सिंह को अंतर राज्यीय पारधी गिरोह के विरुद्ध सफल अभियान चलाने, जैसलमेर में अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से तस्करी की 10 किलो अवैध हेरोइन बरामदगी, प्रतापगढ़ और मालवा क्षेत्र में कुख्यात लाला गैंग की गिरफ्तारी सहित कैरियर में विशेष उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1998 के आरपीएस अधिकारी रतन सिंह को इसी वर्ष 1 जनवरी को आईपीएस में पदोन्नति मिली है और इनको आईपीएस राजस्थान कैडर के साथ आईपीएस संवर्ग में वर्ष 2015 की वरिष्ठता प्रदान की गई है। इससे पूर्व लुणु को डीजीपी डिस्क, विशिष्ट सेवा मेडल और उत्कृष्ट सेवा मेडल से भी सम्मानित किया जा चुका है।

सामाजिक... बिहार के पूर्णिया में स्थित कला भवन में 23 अप्रैल को वीर कुंवर सिंह विजयोत्सव सह क्षत्रिय सम्मेलन का आयोजन किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद आनंद मोहन ने कहा कि आज के युवाओं को राणा सांगा और वीर कुंवर सिंह जैसे अपने महापुरुषों के बारे में जानने और उनसे प्रेरणा लेने की जरूरत है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व का हम सभी को अनुसरण करने की जरूरत है। उन्होंने देश के सभी राज्यों में क्षत्रिय कल्याण बोर्ड की स्थापना की मांग रखी। करणी सेना की राष्ट्रीय अध्यक्ष शीला सुखदेव सिंह गोगामेड़ी और पूर्णिया के पूर्व सांसद उदय सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सम्मेलन में शिवहर की सांसद लवली आनंद, विधायक चेतन आनंद, बृजभूषण सिंह, दयाशंकर सिंह, आयुषी सिंह तोमर, महिपाल सिंह मकराना, राज शेखावत, शेर सिंह राणा आदि शामिल रहे। मंच संचालन माधव सिंह ने किया। आरा में तपेश्वर सिंह शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, कायमनगर में भी वीर कुंवर सिंह का विजय दिवस मनाया गया। महाविद्यालय के सचिव डॉ. अजय कुमार सिंह और सांस्कृतिक पब्लिक स्कूल, कायमनगर के सचिव डॉ. आलोक कुमार सिंह ने वीर कुंवर सिंह के साहस, पराक्रम और बलिदान को नमन करते हुए प्रशिक्षुओं को विजय दिवस का महत्व बताया। कार्यक्रम में डॉ. सत्यदेव सिंह, डॉ. अमित उपाध्याय, डॉ. एस. के. पांडेय सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। आरा के महाराजा कॉलेज परिसर में स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर त्रिभुवन सिंह के नेतृत्व में कॉलेज से एक जुलूस भी निकाला गया जो शहर के विभिन्न मार्गों से होकर कॉलेज परिसर लौटा। इसके बाद कॉलेज में सभा हुई जिसकी अध्यक्षता महंत परमानन्द गिरी ने की। संचालन प्रदीप सिंह ने किया। सभा में मांग रखी गई कि बाबू कुंवर सिंह के नाम पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित किया जाए। आरा में ही वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पुराने परिसर में राष्ट्रीय लोक मोर्चा भोजपुर के युवा और छात्र प्रकोष्ठ ने विजयोत्सव मनाया। बिहार के मधेपुरा में स्थित वेदव्यास महाविद्यालय में वीर कुंवर सिंह विचार मंच के द्वारा वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विचार मंच के अध्यक्ष डॉ आलोक कुमार ने की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अधिवक्ता राहुल कुमार यादव, ध्यानी यादव व विद्याधर मुखिया ने कहा कि वीर कुंवर सिंह 1857 के प्रथम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के सिपाही और महानायक थे। वे 80 वर्ष की अवस्था में अंग्रेजों के दांत खट्टे कर देने वाले अद्वितीय योद्धा थे। समस्तीपुर में वीर कुंवर सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में श्री राम चंद्र सेवा ट्रस्ट एवं बाबू वीर कुंवर सिंह न्यास के संयुक्त तत्वावधान में शहर के मोरारजी सत्येंद्र कैलाशपति गीता महाविद्यालय परिसर में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में निःशुल्क नैरोपैथी जांच, निःशुल्क बोन मास डेसिटी जांच, निःशुल्क ब्लड जांच, निःशुल्क आर्थॉरिटेस किट वितरण एवं निःशुल्क दवा वितरण किया गया। श्री राम चंद्र सेवा ट्रस्ट के संस्थापक एवं समस्तीपुर के सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. मनोज कुमार सिंह ने कहा कि वीर बाबू कुंवर सिंह न केवल स्वतंत्रता संग्राम के महानायक थे, बल्कि वे आदर्श जीवन मूल्यों वाले व्यक्तित्व भी थे। उनका जीवन राष्ट्र के प्रति निष्ठा, समाज के प्रति सेवा और अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण की शिक्षा देता है। सवर्ण मोर्चा, समस्तीपुर के अध्यक्ष अर्जुन प्रसाद सिंह ने कहा कि वीर कुंवर सिंह का जीवन आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत है। एम.एस.के.जी. कॉलेज के सचिव राजन सिंह ने कहा वीर कुंवर सिंह की जयंती उनके विचारों को जीवंत रखने का अवसर है। झारखंड के दुमका में जिला कांग्रेस कमेटी ने वीर कुंवर चौक पर स्वतंत्रता सेनानी बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई। जिला अध्यक्ष महेश राम चंद्रवंसी ने कहा कि 1857 की लड़ाई में वीर कुंवर सिंह ने देश के लिए अहम भूमिका निभाई थी। 26 अप्रैल 1858 को लड़ते हुए उन्हें वीरगति प्राप्त हुई। भारत सरकार ने 1966 में उनके सम्मान में डाक टिकट जारी किया था। झारखंड के गिरिडीह शहर में भी रेलवे स्टेशन के पास स्थित प्रतिमा स्थल पर बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती जिला क्षत्रिय कल्याण समाज की ओर से मनाई गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णु कुमार सिंह ने की। उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। बांका में स्थित वीर कुंवर सिंह स्मारक स्थल प्रांगण में भी विजयोत्सव समारोह का आयोजन किया गया। बिहार सरकार के पूर्व मंत्री व भाजपा विधायक रामनारायण मंडल, पीबीएस कॉलेज के प्राचार्य कौशल कुमार सिंह, कोऑपरेटिव बैंक के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह, कांग्रेस जिला अध्यक्ष कंचन कुमारी सिंह सहित अनेको गणमान्य व्यक्ति कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल कुमार सिंह ने की। सभी वक्ताओं ने स्वतंत्रता संग्राम में वीर कुंवर सिंह के योगदान को याद करते हुए उन्हें नमन किया एवं उनकी वीरगाथा को आज की पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक बताया। मुजफ्फरपुर में अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा ने बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राकेश कुमार सिंह पप्पू ने की।

नटवर सिंह झिनझिनयाली को पितृशोक

श्री क्षत्रिय युवक संघ के स्वयंसेवक नटवरसिंह झिनझिनयाली के पिता **श्री वीर सिंह जी भाटी** का देहावसान 17 अप्रैल 2025 को 52 वर्ष की आयु में हो गया। पथप्रेरक परिवार दिवंगत आत्मा की शांति के लिए परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना करता है एवं शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

हमारे वरिष्ठ सहयोगी

श्री रतन सिंह लूणू (आईपीएस)

को पुलिस दिवस पर राजस्थान के मुख्यमंत्री द्वारा **राष्ट्रपति पदक** (पुरस्कार) से सम्मानित होने तथा हमारे साथी स्वयंसेवक

साहित्यिक यूट्यूब चैनल डिंगल रसावल

के संस्थापक एवं कवि-लेखक

श्री दीपसिंह रणधा

को वर्ष 2025 के **मारवाड़ रत्न सम्मान** के अंतर्गत **पद्मश्री सीताराम लाळस सम्मान** से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाईयां एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं

शुभेच्छु :

नरपत सिंह चिराणा	भवानी सिंह मुंगेरिया	कृष्ण सिंह राणीगांव	महिपाल सिंह चूली	राजेन्द्रसिंह भिंयाड़ (द्वितीय)	समुन्द्र सिंह देदूसर	स्वरूप सिंह मुंगेरिया
गणपत सिंह बूठ	भगवत सिंह जसाई	नेपाल सिंह भीखसर	प्रेम सिंह दूधवा	शैतान सिंह तुड़बी	नींब सिंह आकोड़ा	लाल सिंह आकोड़ा
प्रताप सिंह बाँदरा	उदय सिंह लाबराऊ	देवी सिंह राणीगांव	वालम सिंह आकोड़ा	झामन सिंह देदूसर	नरपत सिंह भालीखाल	अशोक सिंह भीखसर
विजय सिंह माडपुरा	छैल सिंह भीमरलाई	सरदार सिंह बूठ	नारायण सिंह परावा	दुर्जनसिंह दूधवा (द्वितीय)	वीर सिंह गंगासरा	
कुशल सिंह गडरारोड़	छगन सिंह लूणू	सज्जन सिंह उगेरी	सांवल सिंह भैंसड़ा	महेंद्र सिंह दूधवा	भवानी सिंह रणधा	

श्री संघशक्ति प्रकाशन प्रन्यास (स्वत्वाधिकारी) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक राजेन्द्र सिंह राठौड़ द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, डी बी कॉर्प लिमिटेड, प्लोट नंबर-01, मंगलम कनक वाटिका के पीछे, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, रेल्वे क्रोसिंग के पास, बिलवा, शिवदासपुरा, टोंक रोड़, जयपुर (राजस्थान)-303903 (दूरभाष- 6658888) से मुद्रित एवं ए-8, तारानगर, झोटवाड़ा, जयपुर- 302012 (दूरभाष- 2466353) से प्रकाशित। संपादक- राजेंद्र सिंह राठौड़।
Email- pathprerak1997@gmail.com Website- www.shrikys.org